

प्रेषक,

संतोष बडोनी

अनुसचिव

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक पर्यटन,

पटेलनगर, देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 25 मार्च, 2006

**विषय:-** वित्तीय वर्ष 2005-06 के अन्तर्गत यात्रा मार्गों पर पेयजल व्यवस्था के सम्बन्ध में सृजित परिसम्पत्तियों के रख-रखाव हेतु धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में ।

नहोदय,

उपयुक्त विषयक शासनादेश संख्या-252/VI/2006-5(14)2006, दिनांक 24 मार्च, 2006 एवं सचिव, उत्तरांचल जल संस्थान के पत्र संख्या-5208, दिनांक 27 जनवरी, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल नहोदय वित्तीय वर्ष 2005-06 के अन्तर्गत यात्रा मार्गों की पेयजल व्यवस्था के सम्बन्ध में सृजित परिसम्पत्तियों के रख-रखाव हेतु रु० 33.66 लाख के आगणन के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत रु० 33.50 लाख (रुपया तैंतीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि वित्तीय वर्ष 2005-06 में पुनर्वित्तियोग के माध्यम से आपके नियन्त्रण पर रखी गई धनराशि रु० 200.00 लाख में से व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2-स्वीकृति की जा रही धनराशि तत्काल आहरित कर सम्बन्धित कार्यवाही संस्था को उपलब्ध कराते हुये उक्त कार्य को चारधाम यात्रा व्यवस्था के दृष्टिगत समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय ।

3-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि नित्यव्ययों मदीं में आवंटित सीमा तक ही व्यय सँनिध रखा जाय । यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारों की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में नित्यव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय नित्यव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय ।

4-आगणन में उल्लिखित दरों का विस्तार विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत कराते ।

5-कार्य नर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।

6-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें ।

7-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें । निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें ।

8-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जए ।

9-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।

10-स्वीकृत कार्य के पूर्ण हो जाने के उपरान्त इसका रख-रखाव का दायित्व जल संस्थान का होगा ।

11-स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को सौंपित कर दी जायेगी ।

12-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी ।

13-कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु पर्ट चार्ट तैयार किया जायेगा व आगामी चारधाम यात्रा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण ईकाईयों का सुदृढीकरण को प्राथमिकता दी जायेगी ।

14-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-2006 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत के लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-उत्तरांचल राज्य पर्यटन विकास परिषद-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(सतांष बडोनी)  
अनुसचिव।

संख्या-314 VI/2006-5(14) 2006 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
- 2-आयुक्त गढवाल मण्डल।
- 3-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4-समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 5-समस्त जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तरांचल।
- 6-वित्त अनुभाग-2,।
- 7-श्री एल0एन0पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 8-अपर सचिव, नियोजन।
- 9-निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 10-निजी सचिव मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 11-निर्देशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल।
- 12-सचिव, उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून।
- 13-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सतांष बडोनी)  
अनुसचिव।